an>

Title: Need to take steps to revive the lost Saraswati river.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : महोदय, मैं सदन का ध्यान विलुप्त हुई सरस्वती नदी की तरफ आकर्षित करते हुए बताना चाहता हूं कि राजस्थान सरकार और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के प्रमाणों के आधार पर प्रतिपादित किया गया है कि प्राचीन सरस्वती नदी जो वर्तमान में विलुप्त हो चुकी है, का भूप्रवाह राजस्थान से हो कर गुजरात के कच्छ क्षेत्र में जा रहा है। वैज्ञानिकों द्वारा यह भी बताया गया है कि प्रवाह क्षेत्र के नलकूपों में 11 हजार से 35 हजार लीटर प्रति घंटे पानी के आंकड़े दर्ज किए गए हैं। पश्चिमी राजस्थान और गुजरात का कच्छ क्षेत्र देश के अति सूखे क्षेत्रों में गिने जाते हैं और इस नदी के भूप्रवाह क्षेत्र भी यहीं हैं। सरस्वती का वर्णन हिंदू धर्म के इतिहास और पौराणिक कथाओं में किया जाता रहा है।

अतः मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि विलुप्त हुई सरस्वती नदी को पुनर्जीवन प्रदान करते हुए इसके भूप्रवाह के जल को प्रयोग में लाने हेतु विस्तृत योजना बनाने की कृपा करें ताकि देश के सूखा प्रभावित क्षेत्र को इस प्राचीन सरस्वती नदी का अमृत रूपी जल वरदान के रूप में मिल सके।